Class - B.A - I (Honours)
Paper - I
Lecture - 1

Prof. Khushbu Kumari
Guest Teacher,
Dept. of Political Science
V.S.J. College, Rajnagar, Madhubani

Topic - राज्य के कार्य (समाजवाद) (Unmu)

18 वीं सदी के उत्तरार्द्ध और 19वीं सदी के प्रारम्भ में व्यक्तिवादी विचारधारा बहुत लोकप्रिय थी, लेकिन इस विचारधारा को अपनाने का सामाजिक, आर्थिक और औद्योगिक जीवन पर बहुत बुरा प्रभाव हुआ। परिणाम स्वरूप व्यक्तिवादी विचारधारा के विरुद्ध प्रतिक्रिया के रूप में समाजवाद का उदय हुआ। वर्तमान समय में समाजवादी विचारधारा को प्रत्येक देश द्वारा किसी-न-किसी रूप में इसे ग्रहण करने का प्रयास किया जा रहा है।

समाजवाद का अंग्रेजी पर्यायवाची शब्द 'Socialism' 'Socius' से लिया गया है जिसका अर्थ है समाज; और जैसा कि शब्द व्युत्पत्ति से स्पष्ट है समाजवाद व्यक्तिवाद के विरुद्ध समाज को केन्द्रीय मानने वाली और समाज पर आधारित विचारधारा है। समाजवाद का आधारभूत उद्देश्य समानता की स्थापना करना और समाज में समानता की स्थापना के लिए स्वतन्त्र प्रतियोगिता का अन्त करना, राज्य द्वारा आर्थिक क्षेत्र में अधिकाधिक कार्य करना, उत्पादन के साधनों पर सम्पूर्ण समाज का अधिकार होना और उत्पादन व्यवस्था का संचालन वर्गों के सामूहिक हितों को ध्यान में रखते हुए किया जाना है।

समाजवाद के अनुसार राज्य के कार्य :—

① राजनीतिक कार्य — (i) वर्गों का खात्मा — समाजवादी राज्य का प्रथम कार्य है, शोषण पर आधारित पूंजीवादी अर्थव्यवस्था तथा उत्पादन संबंधों को खत्म करना तथा इस पर आधारित ऊपरी ढांचे को नष्ट करना है।

(ii) मजदूर वर्ग की क्रांतिकारी तानाशाही की स्थापना — समाजवादी राज्य मजदूर वर्ग की क्रांतिकारी तानाशाही की स्थापना की बात करता है क्योंकि शोषण पर आधारित पूंजीवादी अर्थव्यवस्था तथा उत्पादन संबंधों को खत्म करने के लिए मजदूर वर्ग की क्रांतिकारी संगठित शक्ति की आवश्यकता है/क्योंकि इसके बाद राज्य सत्ता मजदूर वर्ग के हाथों में आ जाती है जिससे वर्ग विहीन समाज की स्थापना होगी तथा सबको समान दृष्टि से देखा जाएगा।

② सकारात्मक कार्य — आर्थिक कार्यों में निम्नलिखित प्रमुख है —

(i) प्राइवेट संपत्ति की समाप्ति तथा सार्वजनिक मालिकाना की स्थापना।

(ii) उत्पादन को बढ़ाना तथा मजदूर वर्ग की स्थिति को तथा जीवन को सुखद बनाना।

(iii) कृषि के क्षेत्र में सहकारिता द्वारा कृषि उत्पादन को बढ़ावा देना।

(iv) उपभोग की वस्तुओं का सहकारी व्यापार द्वारा वितरण करना।

(v) योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था की स्थापना।

Khushbu Kumari
15th July 2020

Scanned with CamScanner